कक्षा - पञ्चम् विषय - हिन्दी व्याकरण पाठ - 3.

शब्द

परिभाषा - " वर्णों के सार्थक और स्वतंत्र मेल को शब्द कहते हैं।"
शब्द केवल वर्णों का समूह नहीं है। उसका निश्चित रूप से कोई-न-कोई अर्थ होना चाहिए।
जिन शब्दों का अर्थ होता है, उन्हें सार्थक शब्द और जिन शब्दों से किसी अर्थ का बोध नहीं होता, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं।

उदाहरण:

सार्थक शब्द	निरर्थक शब्द
पिताजी	जीतापि
सूरज	जरसू

भाषा या किसी भाव को व्यक्त करने के लिए सार्थक शब्द ही महत्वपूर्ण होते हैं, निरर्थक शब्द नहीं।
स्रोत के आधार पर शब्द के चार भेद होते हैं।

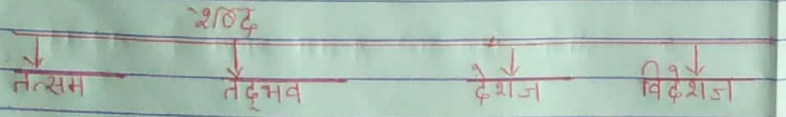

शब्द
- तत्सम
- तद्भव
- देशज
- विदेशज

(क) **तत्सम शब्द**: हिन्दी में प्रयोग किये जाने वाले ऐसे शब्द जो संस्कृत भाषा से ज्यों-के त्यों ले लिए गए हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।
जैसे - बालक, जल, सूर्य, मुनि, गृह, स्वर्ण, सत्य ... आदि।

(ख) **तद्भव शब्द**: संस्कृत के ऐसे शब्द जो अपने मूलरूप से परिवर्तित होकर प्रयोग किये जाते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।
जैसे - सूरज (सूर्य), पिता (पितृ), दस (दश), ~~सच्च~~ सच (सत्य)।
नीचे दी गई तालिका में तत्सम और तद्भव शब्दों में अन्तर आसानी से समझा जा सकता है।

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
पक्षी	पंछी	स्वर्ण	सोना
हस्त	हाथ	सर्प	साँप
दुग्ध	दूध	चंद्र	चाँद

(ग) **देशज शब्द**: विभिन्न बोलियों अथवा लोकभाषा से आए शब्द देशज शब्द कहलाते हैं।
जैसे - ईंट, रोड़ा, खटिया, थैला, वकड़ी, डिबिया .. आदि।

(घ) **विदेशज शब्द**: वे शब्द जो अंग्रेज़ी, उर्दू, फारसी, अरबी आदि भाषाओं के शब्द हैं और हिन्दी में ज्यों-के-त्यों प्रयोग किये जाते हैं।
जैसे - पेंसिल, स्कूल, बंदूक, आदमी, गमला .. आदि।

अभ्यास कार्य: (छात्र स्वयं करें)

1. निम्नलिखित शब्दों को तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशज शब्दों में अलग-अलग छाँटकर लिखिए।
   पेपर, हाथ, सर्प, क्षीर (खीर), घर, पत्थर, पेन, गाँव, खेत, सत्य, मातृ, कमरा, कानून, लकड़ी, साइकिल
2. नीचे दिए गए तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।
   कूप, पर्वत, पितृ, कर्ण, गृह, दधि, अग्नि, कर्म।
3. शब्द किसे कहते हैं? सार्थक और निरर्थक शब्दों के कुछ उदाहरण लिखिए।
4. स्रोत के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?

रमेन्द्र कुमार झा
मो० - 9447256ो7469

Scanned with CamScanner